



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम

दिनांक ।।।।। 2020 पृष्ठ संख्या ।। कॉलम ।।।।।

**पोषण से भरपूर डाइट के लिए स्टूडेंट्स  
ने बनाए मूँगफली के लड्ढे और चटनी**

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिन की सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ऑनलाइन ट्रेनिंग कैम्प लगाया गया। इसका आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया गया। इस मैके पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से प्रसित हैं। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।

डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। डॉ. डीके शर्मा व रवि जांगड़ा ने समूह चर्चा करके मूंगफली व सोयाबीन के उत्पादों की मार्केटिंग को समझाने का प्रयास किया। प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई। साथ ही लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया।

एचएय में सोयाबीन व मंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ट्रेनिंग कैम्प



## मूँगफली के लड्डू

**स्टूडेंट्स को सोया कबाब और लड्डू बनाने के दिए टिप्स**

डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूँगफली की चटनी, मूँगफली गुड़ की पट्टी, मूँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मूँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दैरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई। साथ ही लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया।



इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सतू व सोयान्टस बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

असाइनमेंट में नीरज, संजय  
और प्रदीप ने मारी बाजी

प्रतिभागियों को अॅनलाइन माध्यम से सिखाई विधियों से घर पर ही सोया दूध और पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरूकी

दिनांक ११. ११. २०२० पृष्ठ संख्या ३ कॉलम २५

शिविर

सोयावीन व मंगफली के मत्य संवर्धन उत्पादन विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

## सोयाबीन से दूध और पनीर बनाना सिखाया

जागरण संवाददाता, हिसार :  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल  
कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण  
संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व  
मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादन  
विषय पर अॅनलाइन प्रशिक्षण शिविर  
संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन  
विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस  
हुड़ा के मार्गदर्शन व देखरेख में  
किया गया। समापन अवसर पर  
संस्थान के सह निदेशक(प्रशिक्षण)  
डा. अशोक गोदारा ने कहा कि  
भारत की 40 फीसद जनसंख्या  
विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण  
से ग्रसित हैं।

उन्होंने कहा कि अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता



सोयाबीन का पनीर। • जागरण



मंगफली की बर्फी। ● जागरण

सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अँनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। इसके अलावा डा. डीके शर्मा व रवि जांगड़ा ने समूह चर्चा करके मूँगफली व सोयाबीन के उत्पादों की मार्केटिंग को समझाने का प्रयास किया। इस प्रशिक्षण में डा. सुरेंद्र सिंह, डा. पवित्रा कुमारी, डा. देवेंद्र सिंह, डा. संदीप भाकर आदि ने अँनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

— पंजाब कृषि, जल तथा लाला —

दिनांक 11.11.2020 पृष्ठ संख्या 24 कॉलम 7-8, 1-2

## ‘सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 10 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय ‘सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समाप्त अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा, डॉ.

वर्षा ने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कबाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानद्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

## सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ‘सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। इस दैरान डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूँगफली की चटनी, मूँगफली गुड़ की पट्टी, मूँगफली चाट, चावल व पुलाव और मूँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। लंबु उद्घोग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने सोयाबीन से दूध व पनीर सहित सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलेट व कबाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानद्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। इस दैरान सहनिदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से प्रसित हैं। ऐसे में प्रोटीन व वसा का न्यूनतम सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.11.2020	--	--

### ‘सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न



हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन

व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज

व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहर प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप,

**मुँगफली के लड्डू और  
सोयाबीन से दूध व  
पनीर बनाना सिखाया**

सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी बीड़ियों व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	11.11.2020	--	--

### हक्कि में बनाए मुंगफली के लड्डू व सोयाबीन से दूध व पनीर

हिसार, 10 नवंबर (सुरेंद्र सोहौ) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहबाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर साथना नेहबाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कृषिकला से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके योजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व बसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. ब्रजा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली



प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के बाद तैयार किए गए मुंगफली व सोयाबीन के उत्पाद।

चट, इसके चाबल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जागड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को भशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कब्जाव, सेब व स्टीबस, सब्जी व पुलाव, सोया सन्तु व

#### उत्पाद बनाकर वीडियो की अपलोड

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाइ गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज चावल, सदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। इसके अलावा डॉ. ब्रजा के शर्मा व रवि जागड़ा ने समूह चर्चा करके मुंगफली व सोयाबीन के उत्पादों की मार्केटिंग को समझाने का प्रयास किया। इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. सदीप शाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	11.11.2020	--	--

## मुँगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिमार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि प्रशिक्षणीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रशिक्षणीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत



प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के बाद तैयार किए गए मुँगफली व सोयाबीन के उत्पाद।

अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहा प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पटटी, मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्पाद बनाकर बीड़ियों की अपलोड : प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी बीड़ियों व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नौरज यादव, संतीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया दूध सोया टोरू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। इसके अलावा डॉ. डी.के. शर्मा व रवि जांगड़ा ने समृद्ध चर्चा करके मुँगफली व सोयाबीन के उत्पादों को समझाने का प्रयास किया। इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संतीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	11.11.2020	--	--

## मूँगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

■ 'सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न



हिसार (सच कहूं न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का

स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. बर्था ने प्रतिभागियों को मूँगफली की चटनी, मूँगफली गुड़ की पट्टी, मूँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मूँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जागड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मरींगों द्वारा तैयार करना सिखाया।

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्पाद बनाकर वीडियो की अपलोड

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया।

इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	10.11.2020	--	--

# मुंगफली के लड्हू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

‘सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

टडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ‘सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्हा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता



प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के बाद तैयार किए गए मुंगफली व सोयाबीन के उत्पाद।

रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्हू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्पाद बनाकर वीडियो की अपलोड

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। इसके अलावा डॉ. डी.के. शर्मा व रवि जांगड़ा ने समूह से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	11.11.2020	--	--

# मुँगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

**वाटिका@हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादह विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके

**सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न**



भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम

मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	10.11.2020	--	--

### • सोयाबीन व मूँगफली के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण संपन्न

हिसार/10 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सायना संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर

आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूँगफली की चटनी, मूँगफली गुड़ की पट्टी, मूँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मूँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में

ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कबाब, सेव व स्टक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोया नट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.11.2020	--	--

'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

## मुँगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

### पांच बजे ब्यूग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण ग्रंथित संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेह में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकार आवादी शकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की श्रमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्घोग



इसके चाकल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्घोग

सोया सत्रु व सोयानदस बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

प्रशिक्षणार्थियों ने उत्पाद बनाकर वीडियो की अपलोड

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाइ गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस दौरान नीरज यादव, संदीप, संजय व प्रदीप द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। दूसरे दिन सोया युक्त सोया टोफू तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। इसके अलावा डॉ. डी.के. शर्मा व रवि जांगड़ा ने समूह चर्चा करके मुँगफली व सोयाबीन के उत्पादों की मार्केटिंग का समझाने का प्रयास किया। इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	10.11.2020	--	--

समस्त हरियाणा

मंगलवार, 10 नवंबर, 2020

# मुंगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

समस्त हरियाणा न्यूज डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व शाकाहारी होने के कारण उनके लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के हिसार। चौधरी चरण सिंह देखरेख में किया गया। समापन भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अवसर पर सायना नेहवाल कृषि व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण वसा का स्रोत सोयाबीन का प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में संस्थान के सह-उपयोग कम मूल्य में संतुलित तीन दिवसीय 'सोयाबीन व निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक आहर प्रदान करने की क्षमता मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' गोदारा ने कहा कि भारत की 40 रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर को मुंगफली की चटनी, मुंगफली जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का महिलाएं एवं बच्चे कृपोषण से गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी चावल व पुलाव और मुंगफली के करना सिखाया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	10.11.2020	--	--

### मुँगफली के लड्डू और सोयाबीन से दूध व पनीर बनाना सिखाया

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके

चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से



विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	10.11.2020	--	--

## ‘सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ‘सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे कूपोषण से ग्रसित हैं। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। डॉ.



हिसार। प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के बाद तैयार किए गए मुँगफली व सोयाबीन के उत्पाद।

वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विषयों से घर पर ही सोया दूध व फोटो तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने घर पर ही इन उत्पादों को तैयार कर उनकी वीडियो व फोटो को शेयर किया। इस प्रशिक्षण में डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप भाकर आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम.

मशरूम की खेती कर मुनाफा कमा सकते हैं किसानः डॉ. राकेश

भारकर न्यूज | हिसार

बागवानी में विविधिकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है, जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढीगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर परा साल इसकी खेती कर सकते

हैं। यह विचार चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चुध ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर अॉनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस

हुड़ा के मार्गदर्शन व देखरेख में  
किया गया। ढींगरी मशरूम की  
खाद बनाना व रखरखाव करना  
सफेद बटन मशरूम की तुलना  
में कम है व साथ ही यह मशरूम  
बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा  
समय तक ताजा रहती है। संस्थान  
के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ.  
अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों  
से इस प्रशिक्षण का अधिक लाभ  
उठाने काका आहान किया।

**लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. चुघ**

हिसार, 10 नवम्बर (ब्यूरो):  
 बागवानी में विविधीकरण के रूप  
 में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है  
 जो कम पैसे से शुरू किया जा  
 सकता है और सफल होने पर  
 मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर  
 पर बढ़ाया जा सकता है। इसके  
 अलावा ढीगरी मशरूम की खेती  
 को किसान केवल 2 से 3 महीने  
 छोड़कर पुरा साल कर सकते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चुध ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल

कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं  
शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय खुम्ब  
उत्पादन तकनीक विषय पर  
ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के  
समापन अवसर पर प्रतिभागियों को  
संबंधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का  
आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक  
डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व  
देखरेख में किया गया। इस प्रशिक्षण  
में खुम्ब से संबंधित विभिन्न विषयों  
को अनेक वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार  
से सांझा किया गया। इस प्रशिक्षण  
में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 32  
प्रतिभागी शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... २३ नवंबर २०२०, अमृत उज्ज्वला  
दिनांक ११. ११. २०२० पृष्ठ संख्या ४, ५ कॉलम ७-८, १-२

### ढींगरी मशरूम की खेती करें किसान : डा. राकेश

जागरण संघटदाता, हिसार : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है। सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल कर सकते हैं। यह बातें विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डा.

राकेश चूध ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुंब (मशरूम) उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है।

### सालभर कर सकते हैं ढींगरी मशरूम की खेती

हिसार। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यापार है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है। वहीं ढींगरी मशरूम की खेती केवल दो से तीन महीने छोड़कर पूरा साल कर सकते हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डा. राकेश चूध ने कही। वह सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। इस दौरान डा. भूपेंद्र सिंह ने मशरूम में आने वाले मुख्य कीट, उनसे होने वाले नुकसान, लक्षणों व प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजिका डा. पवित्रा कुमारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से 32 प्रतिभागी शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.11.2020	--	--

## लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. राकेश चुध

हिसार : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल इसकी खेती कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चुध ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तौन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर

आँनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समाप्त अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।

उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने किए।

### खुम्ब गृह की सफाई का रखें विशेष ध्यान

प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किसान यहां से तकनीकी ज्ञान लेकर खुम्ब उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कृषि अवशेषों से खुम्ब उत्पादन करने की तकनीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि किसान कम लागत से मशरूम का



व्यवसाय शुरू कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में खुम्ब से संबोधित विभिन्न विषयों को अनेक वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार से संझा किया गया।

डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मशरूम में आने वाले मुख्य कीट, उनसे होने वाले नुकसान, लक्षणों व प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी और साथ ही उन्होंने किसानों को खुम्ब गृह में सफाई रखने की विशेष सलाह दी। उन्होंने बताया कि इसकी साफ-सफाई का ध्यान रखने से इस प्रकार के कीड़े-मकोड़ों का कम प्रकोप होता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	11.11.2020	--	--

### अब सालभर मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान



सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान का फाइल फोटो।

#### ● नशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 10 नवंबर (सुरेंद्र सोढी) : बागबानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ावा जा सकता है। इसके अलावा ढीगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल इसकी खेती कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चूथ ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समाप्ति अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण

#### खुम्ब गृह की सफाई का रखें विशेष ध्यान

डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मशरूम में आने वाले मुख्य कीट, उनसे होने वाले नुकसान, लक्षणों व प्रवधन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी और साथ ही उन्होंने किसानों को खुम्ब गृह में सफाई रखने की विशेष सलाह दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 32 प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान मशरूम से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यानों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया व मशरूम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया।

का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। उन्होंने कहा कि ढीगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। सास्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किसान वहां से तकनीकी ज्ञान लेकर खुम्ब उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कृषि ज्ञानों से खुम्ब उत्पादन करने की तकनीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि किसान कम लागत से मशरूम का व्यवसाय शुरू कर अपनी आमददी बढ़ा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में खुम्ब से संबंधित विभिन्न विषयों को अनेक वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार से साझा किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	11.11.2020	--	--

### ढींगरी मशरुम की खेती करें पूरा वर्ष : डॉ. चुध

हिसार (सच कहूं न्यूज़)

बागबानी में विविधीकरण के रूप में मशरुम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरुम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ावा जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरुम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल इसकी खेती कर सकते हैं। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रामेश चुध ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समाप्त अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरुम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरुम की तुलना में

■ मशरुम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण संपन्न

कम है व साथ ही वह मशरुम बटन मशरुम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किसान यहां से तकनीकी ज्ञान लेकर खुम्ब उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कृषि अवशेषों से खुम्ब उत्पादन करने की तकनीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि किसान कम लागत से मशरुम का व्यवसाय शुरू कर अपनी आमदानी बढ़ा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में खुम्ब से संबंधित विभिन्न विषयों को अनेक वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार से साझा किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	11.11.2020	--	--

# लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. राकेश चुघ

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। बागबानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल इसकी खेती कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चुघ ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण



शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।

उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना

में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि किसान यहां से तकनीकी ज्ञान लेकर खुम्ब उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कृषि अवशेषों से खुम्ब उत्पादन करने की तकनीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि किसान कम लागत से मशरूम का व्यवसाय शुरू कर अपनी आमदानी बढ़ा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में खुम्ब से संबंधित विभिन्न विषयों को अनेक वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार से सांझा किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.11.2020	--	--

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण संपन्न

### लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. राकेश चुध

#### पांच बजे ब्लूग

हिसार। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है। और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर प्राप्त कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. एकेश चुध ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ह उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राविहर के समाप्त अवसर पर प्रशिक्षणियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार यिका निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद बनाना व रखरखाव करना सफेद बटन मशरूम

की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक से इस प्रशिक्षण के दौरान फसल अवशेषों से खाद् बनाना, बीज बनाना, बिजाई करने व इसके मुख्य कीटों व बीमारियों के लक्षणों और उनके प्रबंधन के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. पवित्रा कुमारी ने किसानों को इस व्यवसाय को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 32 प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान मशरूम से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यानों से प्रतिभागियों को अवगत करतवाया व मशरूम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	10.11.2020	--	--

# लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. राकेश चुघ

### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 नवम्बर : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा साल इसकी खेती कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा

कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. राकेश चुघ ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	10.11.2020	--	--

### लगभग सालभर ढींगरी मशरूम की खेती कर सकते हैं किसान : डॉ. राकेश चुघ

हिसार : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है।



इसके अलावा ढींगरी मशरूम की खेती को प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर किसान केवल 2 से 3 महीने छोड़कर पूरा प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

साल इसकी खेती कर सकते हैं। ये विचार चौधरी मशरूम विषय पर तीन प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार चरण सिंह हरियाणा कृषि दिवसीय ऑनलाइन शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. विश्वविद्यालय के डॉ. चुघ ने व्यक्त किए। व्यवसायिक प्रशिक्षण हुइडा के मार्गदर्शन व देखरेख संपत्र में किया गया। उन्होंने कहा कि ढींगरी मशरूम की खाद

वे विश्वविद्यालय के सफेद बटन मशरूम की तुलना में कम है व साथ ही यह मशरूम बटन मशरूम की तुलना में ज्यादा समय तक ताजा रहती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	10.11.2020	--	--

# बीएससी 4 वर्षीय कोर्स में प्रीति जबकि 6 वर्षीय कोर्स में कपिल ने हासिल किया पहला स्थान एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्सों का परिणाम घोषित

ट्रैनिंग। हिसार



हिसारियालय के कुलसंचिव डॉ. बी.सी. कपोरा को इन फाइल फोटो द परीक्षार्थियों के पारिज्ञानिकों द्वारा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स और छह वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसंचिव डॉ. बी.सी.आर. कपोरा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स 31 अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। इन दोनों प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स में गोवंश शिखली बास (पिकानी) की प्रीति ने 100 में से 88

अंक हासिल कर प्रथम रैंक हासिल किया है। इसी प्रवेश परीक्षा में गोवंश मानावाली (फलेश्वराचार) के अधित कुमार ने 100 में से 86.5 अंक हासिल कर द्वितीय जबकि सेक्टर-11 (जीट) के प्रिस कुमार ने 100 में से 84.5 अंक हासिल कर तृतीय रैंक हासिल किया है। कुलसंचिव ने बताया कि छह वर्षीय कोर्स के लिए 110 आयोजित प्रवेश परीक्षा में खराढ़ गेहड़

दाणों खोया (हिसार) के कारिल मिहन ने 100 में से 91 अंक हासिल कर प्रथम रैंक जबकि धोंगड़ (फलेश्वराचार) के पारस घमां, हिसार की अश्विना और दुड़वा (फलेश्वराचार) की प्रियंका गानी ने 100 में से 90 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरा रैंक हासिल किया है। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बाबल में सीट अलॉट की जाएगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्प्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन कक्षाओं में प्रवेश के लिए औनलाइन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें अलावा इन कोर्सों में दाखिला कैपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की खेबसाइट पर कॉल (कैफल) और बीएससी मत्स्य कॉल (कैफल) और बीएससी मत्स्य